कुष्मांडा माता व्रत कथा

पृथ्वी पर अंधकार का समय था। सभी देवताओं ने इस अंधकार को दूर करने के लिए भगवान विष्णु से एक देवी का अवतार लेने की प्रार्थना की। तब भगवान विष्णु ने अपनी माता कुष्मांडा को आज्ञा दी। मां ने अपने तेज से ब्रह्मांड की रचना की और अंधकार को दूर किया।

कहा जाता है कि मां कुष्मांडा ने अपनी ऊर्जा से संपूर्ण ब्रह्मांड का निर्माण किया और उन्होंने सूर्य का भी निर्माण किया। जब अम्मा ने अपनी हँसी से पूरी दुनिया की रचना की, तो सभी प्राणियों में जीवन का संचार हो गया।

pdfinbox.com